PAPER – II

पत्र – II

KHADIA LANGUAGE AND LITERATURE

विषय – खड़िया भाषा – साहित्य

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घंटे

उतुन कायोम –

1) *जुनुङ उबर खंधाते तज़्तज़् अयीज । खंधा '**क**' ते जुनुङ **1** से **4** रो खंधा '**ख**' ते **5** से **8** अयीज ।*
2) *जमा **6** जुनुङअ उतारा तेरना अयीज । जुनुङ सं **1** रो जुनुङ सं **5** उतारा तेरनागा अयीज ।*
3) *अनिवार्य जुनुङ सं **1** रो सं **5** ते **7-7** जुनुङ अयीज, उर्तेय **5-5** उतारा तेरना अयीज ।*
4) *अनिवार्य जुनुङ सं **1** रो जुनुङ सं **5** ते उतारा तेरकोन उबर खंधा तय कम से कम **1-1** रो जमा **4** जुनुङअ उतारा तेरना होइना ।*

निर्देश :

1) *हाशिये में पूर्णांक दिये गये हैं ।*
2) *प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त हैं । **भाग– A** में कुल **चार** प्रश्न (प्रश्न सं **1** से **4**) एवं **भाग– B** में कुल **चार** प्रश्न (प्रश्न सं **5** से **8**) हैं ।*
3) *कुल **छह** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न संख्या **1** एवं प्रश्न सं **5** का उत्तर देना **अनिवार्य** हैं ।*
4) ***अनिवार्य** प्रश्न संख्या **1** एवं प्रश्न संख्या **5** के अंतर्गत कुल **सात–सात** प्रश्न हैं । कुल **सात–सात** प्रश्नों में से **पाँच–पाँच** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य हैं ।।*
5) ***अनिवार्य** प्रश्न संख्या **1** एवं प्रश्न संख्या **5** के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **एक** एवं कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

Marks
गुण

खंधा – 'क'

1. जहाँय मोलोय जुनुङअ उतारा तेरेपे **(5×7=35)**

   I) ध्वनिशास्त्र ते ई या: विकास ओबयोडोमसी: ? बारूडा: उतुनेपे ।

   II) खड़िया लङअ उत्तम पुरुष द्विवचन: उदाहरण तेरकोन बारूडा: समझायेये ।

   III) खड़िया लङ योगात्मक अयीज । उदाहरण तेरकोन पुसुटेपे ।

Marks
गुण

IV) 'ओबकोड़डोमताकियर' या: लुङ परिचय तेरेपे ।

V) जुनास विलुङ खड़िया लिपि ब्यसिखो: । खड़ियाकि ईना उभय बाइजकी ? कारन उतुनेपे ।

VI) खड़िया ते मुण्डा लङ परिवार ते उनसी:मय । मोलोय कारण उदाहरण सोरी मिडेपे ।

VII) ''खड़िया लङअ वैज्ञानिक अध्ययन अलेङगा होइता'' अम्प: विचार मिडेपे ।

2. क) खड़िया: आदिकाल: साहित्य: बारे उतुनेपे । जतरू खड़िया: योगदान ते जो उतुनेपे । (2×10=20)

ख) मध्यकालीन कवि में से मुडुवा: परिचय रो कामुवा: बारे मिडेपे ।

3. क) 'तोनोलसो:' अजे: गमतेकी ? मुडु तोनोलसो: लिखाकड़अ कामु किते उतुनेपे । (2×10=20)

ख) सेरकेनिपे :

''होतिज को बेड़ो ञोलो: की तय को गोडझुड ओबसिड गोठो:कियर । केंउझर तिज चोना मेलय बारीपदा तिज चोलगोडकीकियर रो यहा सोमदोर ते ओड़ो: गोडकीकियर ।''

4. क) खड़िया कविता ते होडोम लङ रो विचार: प्रभाव कुइता, मेले चोयेपे । (2×10=20)

ख) फा. जोवाकिम डुंगडुंग उमलय मेरी एस सोरेङअ साहित्यिक परिचय तेरेपे ।

खंधा – 'ख'

5. मोलोय जुनुङअ उतारा तेरेपे । (5×7=35)

I) खड़िया लोक साहित्य: कि:ते मेने भेद ताइजडोमसी ? संक्षेप परिचय तेरेपे ।

II) 'तिलजङ' अजे गमतेकी ? तमा उरिवाज: बारे अपन विचार उतुनेपे ।

III) पुरखा परिचाते बन्दोई रो रामरेखा वीरूचा: संबंध आवकी । बारूडा: उतुनेपे ।

IV) खड़िया बाइर कभनेइत ते लेनु रो किनिर: जनवर किया: केरसोङ कुइता । उकड़अ माने उतुनेपे ।

V) खड़िया लोकगाथा कुइता ? कुइसी: ला: बारूडअ मेले चोयेपे ।

VI) खड़िया किया: अपन डा: ते जतनना: कोर्निस ते उतुनेपे ।

VII) खड़िया पोढ़ेना: फायदा रो नोकसान उतुनेपे ।

Marks
गुण

6. क) डोबड़ेगेपे - (2×10=20)

केलुङ बोरता-बोरता कि:ते तो: ओगे । लेबुकि जो तेरना-तेरना एठेडकिमय रो उमय तेरना माडेयो: । मेरे को दउड़ा धोखो: गुञुमडाग: ते चोना मडियो: । बरसोन उ:फेसोन को गुञुमडा: तेर दखायो: । मुदा वीरू केलुङ रो नजइर बुङ भेइर योना अवाला गुञुमडा: । होबेन पोइंचा तेरना बुङगा गुञुमडा: जो बेताङ गोड़की । मुदा केलुङ को इकुड जुलुम । चोलकोन दुरातेगा डोकोना । आखिर तेरना-तेरना गुञुमडाग:ओ: गुइजडा:डोम गोडकी ।

ख) 3 खंधा ते पोढ़ेकोन उ:फे जुनुङअ उतारा तेरेपे ।

उतिज केन्दरा ते तिंज: ओ:ते कुलम उनगोठो: । तुडलोड़ गोरेजमेय: किनिर चोलकनकी । उतिज केन्दरा तय बेटी मु:की । ओ:जोखो: पे: गोडोओ, उव:की, कड्डोम-सो:डोमकी रो केन्दरा ते डियर गोडकी । बेटा तोहोनवो: ते एङकी । योते-अन: जो:जो: अयिज, पे: गोडगोङ अयिज । लेरे: लेरे: ओखो: रो गितअ जोमकी ।

जुनुङ

क) बेटी अते आटना ला:की ?

ख) कुलम केन्दरा ते अतु उनो: ?

ग) ओ: ओरियाय कुई कोन कुलम बोतोङकी/यारो: /लेरे: की ।

7. खड़िया बुङ कुबलाङेपे । (2×10=20)

क) ''नए कानून में पहली बात तो यही है कि गाँव क्या हैं ? उसे मैदानी असलियत को देखते हुए परिभाषित करने की व्यवस्था है । इस बात को साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि अब तक सरकारी रिकार्ड में गाँव माना जाता रहा है । उसे नई व्यवस्था के लिए ऐसी एक या अधिक बसाहतें, जिनमें रहनेवाले लोग आपस में मिलजुल कर अपने रोजमर्रा के काम-काज की व्यवस्था समाज के रूप में करते हों, उसी को गाँव या ग्राम माना जाएगा । प्रत्येक ग्राम के लिए एक ग्राम सभा होगी । इस तरह अब तक परांपरा से समाज के रूप में कामकाज चलाने वाले समूह को ही जिसे आम बोलचाल में पंचायत भी कहा जाता है । औपचारिक रूप से ग्राम सभा का दर्जा दिया गया है ।''

ख) कर्जदारी आदिवासी समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या है । उसी के चलते उनका सब कुछ उनके हाथ से निकलता जा रहा है । सरकारी व सहकारी कर्ज भी उनके लिए अभिशाप ही साबित हुए हैं । घर की कुर्की या खेत की विक्री विकास के साथ आम बातें होती गई हैं ।

Marks
गुण

8. क) उजे: मेले चोयेपे - (2×10=20)

तुता ते लुवा मेरे तो:ब्ह लुङ माङना चोलता ।

ख) बु:झीनाये -

गो:जगोज: इ:फोन कटा, गो:गो:कड़अ कटाजुम्बो:, योयोकड़अ बोकोब जुम्बो: ।